७९॥ ग्लेंग देन प्येंन प्येत पहिंच मी दिन प्रेमा निये

र्श्चेयम्बर्शकेत्रम्य दुम



>>ক্র'ঝয়'৻য়য়য়'য়ৢয়'য়য়ৢৢয়'<<

८८.स्री तमाय.पहित्र.श्रुश्यमाश्र.श्रीटा

न्धुन प्रहेंग

ष्ठिम् यद्मा मीम् यद्भिम् यद्भिम्यम् यद्भिम् यद्भिम्यम् यद्भिम्यम् यद्भिम्यम् यद्भिम् यद्भिम्यम् यद्भिम्यम् यद्भिम्यम् यद्भिम

मार्श्वया धरार्थेक'यर्क अरादरार्श्वेद'या

न्धुन'यहेंबा

माशुस्या पहें न घट दें साम हैं माप दें ना

<u> 5ुषारत्रया १९५५ मात्रार्था रेगा रेगा यात्रा ५८ ५६ वा यात्रा यात्रा मात्रा मात्रा मात्रा मात्रा मात्रा मात्रा</u> भयामुः भैः नेवार्वे न्यान्ते नुषाचे द्राचे नावार्वे द्राचे नावार्ये नावार्ये नावार्वे नावार्ये नावार्वे नावार्ये नावार्ये नावार्ये नावार्ये ना <u>नर्देश सेंदि के सेंदिन के प्रतान प्रतान प्रतान के में में हा से दी स्वाप्त के प्रतान के प्रतान के प्रतान के प</u> त्र्वेर्भ्नाध्यम् र्धेन्स्मिन्यार्वित्रमी स्यायम्यान्यत्यस्येन्त्रम् स्वित्राम् अळ्नामे स्वायम्यान्यत्यस्येन्त्रम् स्वायम् स्वयम् स्यायम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्यायम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्य कॱर्कटॱ५व्वैत्रथॱकेथॱरेथ·५व्वैत्रथॱणेथ·वेथ·५५ृगं'यॱरे५।थेॱर्नेग्'वेॱश्र[े]थॱ५व्वैत्रथः <u>५८१८१ में मृत्याम्य अक्षेके के क्ष्रेय के मृत्या के माय विक्षेत्र प्रीयका प्रमुख्य स</u>्था <u>५चैनश'ण'सर्वत'रुद'सद'र्ने'र्लेद'य'देश'रु'यस'र्ले'स'सर्वेद'य'सेदानु'क्द'सद'ष्र</u> *য়৾৽*नेयःमुःश्रेगःयसःनान्देशःगनुगसःसदःनेदेःसूदःनकृतःनेःन्नेनसःस्यः <u>२च्चेत्रअःशुः सूरुष्रपर्वापारे दाश्रेश्रश्राचेतायवैः यात्राम् श्रीशः तुः कृदः अवः सुःश्रीयेवः</u> ॻॖऀॱॻ॒८ॺॱॸऀॺॱ॔॓॓ॱॺॖ॔ॸॱॾॗ॓ढ़ॱय़ढ़ऀॱक़ॱॸ॓ॱॺॺ॔॔॔॔॔ॸॺऻॺॱख़ॺॺॱॹॖऀॺॱॺॎ॔॔॔॔ढ़ॎॱख़ॱॸॖॻॖऀॸॺॱ हैशाविदायमी'यहससादेवे'हेशाळया हैशाणुटाविदायमी'यहससायादेदार्टे'साउटा अत्वित्रान्यस्यत्तिः श्रेन्त्राः चीताः चीत्राः स्वानीः द्वारायाः विश्वस्याः चीति स्वानी क्रायाम् पर्सेयापिट पी क् 15यार्ये का सूचया «खे देव पर्पे ही का सेवा का र्मेमा» हेट म्हार अपना निया हैया निया हैया निया निया के के के अपना मीर्था न यश्रायदे भुगश्राकेट क्राक्र क्राक्र प्रधाशास है दाता क्री मा

न्युन'यहेंग

त्रेमश्री क्षे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्थित्र स्थित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्थित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्थित्र क्षेत्र स्थित्र क्षेत्र स्थित्र क्षेत्र स्थित्र क्षेत्र स्थित स्थित्र स्थित्र क्षेत्र क्षेत्

मिल्या क्षेत्र रहमाबाददायके मदी कुषायामार्थे क्षेत्रा

तहरम्भन्न मुन्न विद्यान विद्य

न्युन'यहेंग

देन मित्र म

थ्या नुष्ययग्दर्गिषादेषाणुप्ताईयार्श्वेद्यम्मः १३ सवासुर्सेद्या

न्युन'दर्हेग

कुट. देश. प्रथा. प्रमुं स्वा. त्रश्च की. त्रीय. त्

इमाया यमायेक र्देशयश र्रेन मर्शे र्रेन या

सुंभितं द्वानुयावनः दुर्वितं विश्वान्य देवा क्षेत् विश्वान्य विश्

प्रक्षित्राचे त्रिक्षः विकास्तर्भात्र विकासित्र विकासित

न्युन'यहेंबा

मल्टायम् अर्थिन मुर्थित् मुर्थित मुर्थित म्यून मिल्टायम् अर्थित मुर्थित मुर्थ